nandgaon times march-01-3.qxd 2/28/2026 9:51 PM Page 1

asianpaints
सभी रेंज किफायती दाम में उपलब्ध
अधिकृत विक्रेता
अरूणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

विश्व में प्रसिद्ध हनुमान चालीसा... पृष्ठ 2 | ईडी ने की दुर्ग क्षेत्र के बालोद... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

NIPPON PAINT
एशिया पैसिफिक का नंबर 1 पेंट*
अधिकृत विक्रेता
अरूणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

रविवार, 01 मार्च 2026, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 50, अंक 138, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

किसानों के सम्मान और समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

किसानों के सम्मान और समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध, मुख्यमंत्री साय ने बटन दबाकर किसानों के खातों में की 10 हजार 324 करोड़ रुपए की राशि अंतरित

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बिल्हा विकासखण्ड के रहंगी में कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आयोजित आदान सहायता राशि वितरण समारोह एवं वृहद किसान सम्मेलन में प्रदेश के 25.28 लाख किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया। इनमें बिलासपुर जिले के 1 लाख 25 हजार 352 किसान शामिल हैं, जिनके खातों में 494.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने जिले के विकास को नई गति देते हुए 15.99 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए 7 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 247.18 करोड़ रुपए की लागत के 82 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित अन्य अतिथियों का खुमरी और नांगर भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में च्कृषक उन्नति योजना का वरदान, छत्तीसगढ़ का हर किसान धनवानज् थीम पर आधारित वीडियो का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन किसान भाइयों के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों ने धान बेचा है और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से आज 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसान भाई होली का त्योहार अच्छे से मनाएं, इसलिए होली के पूर्व यह राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों की चिंता करते हुए उनके लिए प्रगतिशील योजनाएं लाई गई हैं इस बार किसानों को बारदाने की कोई समस्या नहीं हुई और किसानों के खातों में राशि भी समय पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण लेने की सुविधा प्रदान की है और आज लाखों किसान किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को धान की सर्वाधिक कीमत देने की व्यवस्था की गई है, जो अन्यत्र कहीं नहीं है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में भी राशि अंतरित की जा रही है। खाद और सब्सिडी, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार सहित किसानों की समृद्धि के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है तथा सहकारिता को लाभकारी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को 6000 रुपए सम्मान निधि की राशि प्रदान की जा रही है। इस वर्ष के बजट में कृषि के लिए 13 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। किसानों को खेतों में पर्याप्त पानी मिले, इसके लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नक्सलवाद बस्तर क्षेत्र से समाप्ति की ओर है और इस दिशा में हम सफल हो रहे हैं। निश्चित रूप से मार्च 2026 तक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी का संकल्प पूरा होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से परिपूर्ण राज्य है और खनिजों का समुचित दोहन कर राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए एनडीडीबी से समझौता किया गया है और अब छत्तीसगढ़ में भी दुग्ध क्रांति आने वाली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य किया है और विगत दो वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश वादों को पूरा कर लिया गया है। राज्य में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख गरीब परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है तथा प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने सभी की सहभागिता से विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के संकल्प को दोहराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने चकरभाटा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन करने, मंगला में माध्यमिक शाला को हाई स्कूल में उन्नयन तथा रहंगी के खेल मैदान में बाउंड्रीवॉल एवं स्टेज निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय ने सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपए तथा पत्थरखान में आदिवासी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि उन्नति योजना का लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री जी किसानों के बीच आए हैं, यह बहुत ही ऐतिहासिक क्षण है।

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। श्री श्याम परिवार मित्र मंडल द्वारा आयोजित चार दिवसीय फागुन महोत्सव के चतुर्थ दिवस श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का संगीतमय पाठ कोलकाता के श्याम सेवक गुरप्रीत सिंह एवं श्याम दीवानी रानी कौर के द्वारा किया गया। इस दौरान 108 से अधिक माता - बहनों ने सामूहिक रूप से पाठ किया।

पुरानी गंज मंडी में 150 सालों से चली आ रही होली का उत्सव पर खास तैयारी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। 150 साल से चली आ रही परंपरागत होली का उत्सव इस वर्ष भी पुरानी गंज मंडी बालाजी परिसर में धूमधाम से मनाई जाएगी समिति के सदस्यों ने इस की तैयारी जोर शोर के साथ शुरू कर दी है। बताया जाता है कि बालाजी मंदिर परिसर में होली का उत्सव राजवाड़ा के समय से परंपरागत तरिके से विधि विधान के साथ मनाई जाती है शुभ मुहूर्त में ही होलिका दहन किया जाता है। सिद्ध पीठ बालाजी महाराज मंदिर व बाल समाज परिवार के साथ होलीका उत्सव समिति के अध्यक्ष मनीष खंडेलवाल सयोजक दामू भूतड़ा श्री बालाजी मंदिर के महाराज हनुमान प्रसाद ने बताया कि इस वर्ष ग्रहण की वजह से होली का दहन तीन तारीख मंगलवार की सुबह पहट 5 बजके 40 मिनट को किया जाएगा। इसके लिए समिति के सदस्यों ने विशेष तैयारी की है होलिका दहन के पूर्व आकर्षक आतिशबाजी किया जाएगा उसके बाद आसपास के लोग पूजा सामाग्रियों के साथ होलिका की पूजा करेंगे के साथ हीं मन वांछित कामना करते हैं। महिलाओ द्वारा घर से निर्मित हलवा,पूरी गुलगुले, गोबर के कंडे से बनाई हुई माला को होली पर चढ़ाते हैं, होलीका के अंगारों को घर में ले जाकर पापड़ की सिकाई करते हैं यहां पुरानी परंपरा है जो अब हर जगह देखने नहीं मिलती है जिस को पुरानी गंज मंडी समिति के लोगों ने बरकरार रखा हुआ है। इस के पूर्व दो मार्च प्रात: काल से संध्या 5:55 बजे तक ठंडी (डंडा)होली का आयोजन भी रखा गया है जिसमें सभी श्रद्धालु जनों को उपस्थित होने की अपील समिति के आयोजको ने की हैं।

राजनांदगांव में गूंजे फाग के सुर

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शहर के प्रसिद्ध मिथिला धाम मौनीबाबा मंदिर में शुक्रवार संध्या होली मिलन एवं होली गीत-भजन

मिथिला धाम मौनीबाबा मंदिर में होली मिलन एवं भजन संध्या धूमधाम से संपन्न

का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मिथिला महिला मंडल की भजन मंडली द्वारा किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ होली के पावन पर्व का स्वागत किया। मंदिर परिसर में संध्या समय से ही फाग और भक्ति रस की सरिता बहने लगी। रंग, गुलाल और पारंपरिक परिधानों से सजी महिलाओं ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उल्लासमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान मिथिला में होली खेले रामचंद्र भजन की विशेष गूंज रही। इसके साथ ही होली खेले रघुवीरा अवध में तथा आओ ब्रज में होली खेलें जैसे पारंपरिक फाग गीतों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजन मंडली की मधुर प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को भक्ति और उल्लास के रंग में सराबोर कर दिया। हर ओर तालियों की गड़गड़ाहट और होली है! के जयकारे गूंजते रहे। होली मिलन समारोह के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों पर जमकर नृत्य किया। ढोलक, मंजीरा और हारमोनियम की थाप पर फाग गीतों की झड़ी लग गई। जोगिरा सरारा की तुकबंदी ने कार्यक्रम में विशेष उत्साह भर दिया। उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और आपसी सौहार्द व भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण होता है। होली मिलन समारोह ने न केवल धार्मिक आस्था को प्रबल किया बल्कि सामाजिक समरसता और महिला सहभागिता का सुंदर उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

प्रतिस्थापन अभिक्रियाओं पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा 26 फरवरी को एक दिवसीय विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्या श्रीमती डॉ. ई. वी. रेवती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।ब्व्याख्यान का विषय च्प्रतिस्थापन अभिक्रियाओं के विभिन्न प्रकारज् रहा। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. बी. वेंकटेश्वर राव (सेवानिवृत्त प्राध्यापक, सातवाना कॉलेज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश) उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिस्थापन अभिक्रियाओं के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालते हुए विशेष रूप से एस.एन.1 एवं एस.एन.2 अभिक्रियाओं के तंत्र को सरल, वैज्ञानिक एवं रोचक ढंग से स्पष्ट किया।

उनके व्याख्यान से विद्यार्थियों को विषय की गहन एवं व्यवहारिक समझ प्राप्त हुई। कार्यक्रम में लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने व्याख्यान में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीमती सोनाली लोया खानखोजे, ओमप्रकाश वर्मा एवं गौरव तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एम.एससी. रसायन शास्त्र के छात्र ज्ञानेंद्र द्विवेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

अनोखा पहल हरियाली बहिनी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। एक और अनोखा पहल हरियाली बहिनी द्वारा की जा रही है नशे के लिए बदनाम महुआ को उनके अलग अलग व्यंजन बना रही है राजनांदगांव से 14 किलो मीटर दूर खैरागढ़ चवेली में यह कार्य चल रहा है अधिक से अधिक परिवारों में पहुंचे इसके लिए स्कूल, कॉलेज, मीटिंग, ट्रेनिंग,सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी जा रही है, इस होली महुआ की मिठास के साथ स्वस्थ वर्धक लेकर आई है, महुआ लड्डू की मांग अधिक होने के कारण पूर्ति नहीं कर पा रही है, महिलाएं बड़ी उत्साह के साथ लड्डू बनाने में आय उपार्जन के साथ ही लोगों को अच्छे और सस्ते में उपलब्ध करने से संतुष्टि मिल रही है महुआ के लड्डू, मिक्कर इस होली को और यादगार बनाएगी, इस अभियान के प्रमुख शिव कुमार देवांगन ने बताया कि हमने सोचा नहीं था महुआ की व्यंजन को लोग बहुत अधिक पसंद करेंगे, जो भी एक बार स्वाद ले रहे है वे मांग कर रहे है, अभी तक नशे के रूप में जानते थे अब वे स्वादिष्ट के साथ ही स्वस्थ के लाभों को जानने लगे है

प्रशासन एवं राजनीति की रपटीली राहों का योद्धा जो कभी रुका नहीं, कभी थका नहीं

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्रशासन की कठिन, फिसलनभरी और अक्सर कृतघ्न राहों पर कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो समय की धूल में भी अपनी चमक नहीं खोते। संघर्ष, प्रतीक्षा और सिद्धांतों की अग्निपरीक्षा से तपकर जो प्रशानिक अधिकारी व नेता निकलते हैं, वही इतिहास में जननेता कहलाते हैं। ऐसे ही एक व्यक्तित्व हैं - गणेश शंकर मिश्रा बीजेपी के वरिष्ठ नेता, पूर्व प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ और जनभावनाओं के सच्चे प्रतिनिधि श्री गणेश शंकर मिश्रा जी जिन्हें जनता स्नेह से गणेश भैया दाऊ भैया कहकर पुकारती है। छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति एवं प्रशानिक छमता में भी उनका नाम उन विरले लोगों में लिया जाता है, जिन्होंने सादगी को आभूषण, संघर्ष को साधना और सिद्धांतों को जीवन-मंत्र बनाया। सत्ता उनके लिए कभी लक्ष्य नहीं रही, बल्कि जनता की सेवा ही उनकी राजनीति का मूल आधार रही है। श्री गणेश शंकर मिश्रा जी ने अपने प्रशासनिक एवं राजनितिक जीवन की शुरुआत ग्राम मुरा से की। आगे चलकर वे आज नीति आयोग के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री) छत्तीसगढ़ शासन हैं। मुरा तिल्दा नेवरा के आम लोगों से उनका रिश्ता वैसा ही आत्मीय और पारिवारिक बना हुआ है। पद बदले, जिम्मेदारियाँ बदलीं, पर जमीन से जुड़ाव और लोगों से अपनापन कभी नहीं बदला। मजबूत जनाधार, अपार अनुभव और जनता से गहरे संबंधों के बावजूद उन्हें लम्बा इंतज़ार करना पड़ा। इस राजनीति का खामियाजा दाऊ भैया को वर्षों तक धैर्य और संयम के साथ सहना पड़ा। लेकिन कहा जाता है — प्रतिभा, कर्म और अथक मेहनत कभी दबाई नहीं जा सकती। जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया, जब डा. रमन सिंह जी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा बनें । उन्होंने दाऊ भैया की क्षमता, अनुभव और संगठन कौशल को पहचाना, व सरकार ने उन्हें नीति आयोग का उपाध्यक्ष केबिनट मंत्री बनाया और प्रदेश के जिम्मेदार पद पर नियुक्त किया। इस जिम्मेदारी को गणेश भैया पूरी निष्ठा, ईमानदारी और अथक परिश्रम से निभाएंगे । साथ ही वे एक सफल, प्रभावशाली और जनस्वीकृत नेता के रूप में राजनीतिक आकाश में तेजी से उभरेंगे । बस्तर कलेक्टर के रूप में उनका कार्यकाल उनकी सरलता, दूरदृष्टि और संवेदनशील प्रशासन के लिए आज भी याद किया जाता है। उनका सहज स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और जमीन से जुड़ा व्यवहार उन्हें हर वर्ग में अत्यंत लोकप्रिय बनाता रहा। हाँ, उनकी खरी-खरी और बेबाक शैली ने कई बार उन्हें प्रशानिक रूप से भारी कीमत चुकाने को विवश किया, किंतु यही साफगोई उनकी सबसे बड़ी पहचान और सबसे बड़ी ताकत भी रही। उनकी उपस्थिति मात्र से ही वातावरण जीवंत और खुशनुमा हो उठता था। विधि-विधान और संसदीय परंपराओं का उन्हें गहरा ज्ञान है। विकट परिस्थितियों में भी हल्के-फुल्के अंदाज से माहौल को संभालकर अपनी पार्टी को संकट से उबार लेने में उन्हें अद्भुत महारत हासिल है। राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, किंतु सिद्धांतों से समझौता करना गणेश भैया की फितरत कभी नहीं रहेगी। आज भी वे हर व्यक्ति के सुख-दुख में उसी आत्मीयता से सहभागी होते हैं। उम्र के इस पड़ाव ने भी उनकी सक्रियता पर कोई विराम नहीं लगाया है — आज भी वे सुबह से देर रात तक क्षेत्र में प्रवास करते हुए जनता के बीच उपस्थित रहते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनका स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद हम सभी पर यूँ ही बना रहे। वे दीर्घायु हों, स्वस्थ रहें और अपने अनुभव, विवेक तथा संघर्ष की प्रेरणा से समाज और राजनीति को निरंतर दिशा देते रहें।

nandgaon times march-01-3.qxd 2/28/2026 9:51 PM Page 2

मितानिन बहनों के माध्यम से स्वस्थ समाज एवं कुपोषण मुक्त गांव का निर्माण होगा - डॉ नेतराम नवरतन

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। विकासखंड स्तरीय ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति द्वारा स्वस्थ पंचायत सम्मेलन तथा जनसंवाद का आयोजन मां बमलेश्वरी छीरपानी परिसर डोंगरगढ़ में किया गया, जिसमें क्षेत्र के जिला एवं विकासखंड के जनप्रतिनिधि,नगर पालिका के अध्यक्ष एवं पार्षद ,सरपंच, पंच, मितानिन, ग्राम स्तर पर निगरानी करने वाली लगभग 1600 कार्यकर्ताओं एवं अधिकारी, कर्मचारियों ने भाग लिया, इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर समन्वय सहयोग समाधान का प्रयास करने हेतु स्वस्थ संवाद का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य समुदाय एवं समाज आधारित समस्याओं का निराकरण, जनप्रतिनिधियों के समक्ष जन संवाद स्थापित करके किया जा सके, समुदाय अपनी समस्या अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों से साझा करें, इस हेतु एक स्वस्थ संवाद स्थापित किया गया, जिसमें शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्त जानकारी एवं जुड़ाव बड़े पैमाने पर हो, इसलिए ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति का सशक्तिकरण करना तथा जिले के स्वास्थ्य कार्यक्रमों में प्रगति लाकर शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करना, कुपोषण मुक्त ग्राम पंचायत निर्माण करने हेतु समस्त आरोग्य मंदिर में प्रत्येक बुधवार को योग शिविर का आयोजन कर बीपी, शुगर एवं कैंसर जैसे भयंकर बीमारियों का स्क्रीनिंग करना, पालक चौपाल जैसे कार्यक्रम को सशक करना ,इस सम्मेलन के उद्देश्य को सुनीता वर्मा एवं वक्ताओं के द्वारा बताया गया, उक्त कार्यक्रम में सभी ग्रामों का प्रतिनिधित्व हुआ, मितानिन कार्यक्रम के प्रमुख डॉक्टर संजीव उपाध्याय,कार्यकारी निदेशक, राज्य स्वास्थ्य प्रणाली केंद्र रायपुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर नेतराम नवरतन, डीपीएम संदीप ताम्रकार,सहायक जिला नोडल अधिकारी मितानिन कार्यक्रम अनिल श्रीवास्तव, दिलीप बारले कार्यक्रम में पूरे समय उपस्थित रहे, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बी. सी, अनीता धुर्वे आशा कन्नौजे, सुनीता वर्मा एस.पी.एस.,सभी मितानिन प्रशिक्षक जिला कोऑर्डिनेटर सकुन दास मानिकपुरी के साथ समन्वय एवं प्रत्यक्ष बैठक करके अतिथियों के आगमन से लेकर सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने के लिए अनवरत बैठक किया, कार्यक्रम में निर्माण समिति के सभी सदस्य , कर्तव्य भाव से जनप्रतिनिधियों से सीधा संपर्क कर उन्हें आमंत्रित करने का कार्य किया ,कार्यक्रम का शुभारंभ मितानिन बहनों ने ओम का उच्चारण करा के भारत माता की

आरती पंडित अभय बाजपेई के माध्यम से स्वागत वाचन से समस्त अतिथियों ने भारत माता का पूजन आरती आरती द्वारा संपन्न कराया गया, कार्यक्रम के अतिथियों का स्वागत बैच, तिलक एवं पौधे देकर किया गया , कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किरण साहू उपाध्यक्ष जिला पंचायत, अनीता मांडवी सभापति, कार्यक्रम की अध्यक्षता लता सिंहा, अध्यक्ष जनपद पंचायत,रमन डोंगरे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद,विशिष्ट अतिथि हीराराम वर्मा, तेजराम, गिरजावती कंवर ,सरिता मांडवी एवं विशिष्ट अतिथि कमलेश्वर वर्मा सरपंच पारगांव,ईश्वरी साहू माडीतराई, कविता धुर्वे बछेराभाटा ,नंदकिशोर कंवर खलारी ,अश्वनी कुमार भंडारपुर, कविता मांडवी तोतलभरी, संजय कुमार ऊईके धोटिया, पार्षद हरीश मोडघरे, शिवांगी साखरे,शारदा यादव, देवेंद्र साखरे,अनीश निर्मलकर ,अनिल लंगेवार आदि उपस्थित रहे,जिले से उपस्थित मितानिन नोडल अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि सम्मेलन में कुल 140 आवेदन समस्याओं से संबंधित प्राप्त हुआ, जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी से संबंधित 5, स्वास्थ्य विभाग 78, महिला एवं बाल विकास 3, निर्माण कार्य जनपद पंचायत 29, पी.एच, ई विभाग 11, खाद्यान योजना से संबंधित5, रोजगार गारंटी 2,अन्य सड़क,भवन निर्माण संबंधी 7,आवेदन प्राप्त हुए ,इन संलग्न आवेदन को निराकरण करने के लिए इस सम्मेलन के माध्यम से जन प्रतिनिधि एवं अधिकारियों से आग्रह किया गया, इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किरण साहू ने कहा कि मितानिन बहनों के माध्यम से समाज की सभी समस्याओं को हल करने पर बल दिया जा रहा है,उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और जन समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के लिए मितानिनों द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है, जिसमें मितानिन बहनों की भूमिका महत्वपूर्ण है, स्वास्थ्य विभाग के मुखिया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर नेतराम नवरतन ने मितानिनों के कार्य पद्धति एवं समर्पण पर विश्वास जताते हुए कहा कि मितानिन बहनों के माध्यम से स्वास्थ समाज एवं कुपोषण मुक्त ग्राम का निर्माण होगा, इस दिशा में अभी तक जिले में 11 ग्राम पंचायत को कुपोषण मुक्त ग्राम पंचायत किया जा चुका है, उन्होंने मितानिन बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य मुख्य रूप से शिशु एवं मातृ मृत्यु दर कम करना है, कार्यक्रम के अध्यक्ष रमन डोंगरे ने मितानिन बहनों का आव्हान करते हुए कहा कि हम सदैव आपके साथ मिलाकर कार्य करने के लिए तत्पर हैं, मितानिनों का सम्मान करना मेरी प्राथमिकता है,इस अवसर मितानिन कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक संजीव उपाध्याय ने पूरे कार्यक्रम को डिजिटल के माध्यम से सभी मितानिन बहनों से संवाद स्थापित करने के लिए गुणात्मक सुधार लाने की योजना पर कार्य करने की बात कही,अध्यक्षता कर रह रही जनपद पंचायत अध्यक्ष लता सिंहा ने सभी मितानिन बहनों को आश्वस्थ करते हुए कहा कि आपकी समस्याओं के निराकरण करने के लिए मैं सदैव तत्पर हूं, समय-समय पर सहयोग और समन्वय के लिए मैं आपके साथ दिन-रात सेवा के लिए उपलब्ध रहूं गी , उत्कृष्ट कार्य करने वाली बहनों एवं सरपंच को अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया, आयोजन समिति द्वारा डॉक्टर संजीव उपाध्याय को अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम का संचालन आशा कार्यकर्ता , रामेश्वरी एवं मितानिन प्रशिक्षक बहनों ने किया, आभार प्रदर्शन सकुन दास एवं ज्योति द्वारा किया गया।

पीएमश्री राजा सर्वेश्वर दास उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम स्कूल में प्री-वोकेशनल ट्रेनिंग का सफल आयोजन

बांस शिल्प प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता और कौशल विकास की नई शुरुआत

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। पीएमश्री राजा सर्वेश्वर दास उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम स्कूल में विद्यार्थियों के लिए प्री-वोकेशनल ट्रेनिंग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत विद्यार्थियों ने बांस से विभिन्न उपयोगी वस्तुएं बनाने की कला सीखी। साथ ही बाजार में प्रचलित अनेक उपकरणों और सजावटी सामग्रियों के निर्माण की तकनीकों का भी अभ्यास किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर पर ही व्यावसायिक कौशल से जोड़ना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने बांस से टोकरी, पेन स्टैंड, सजावटी आइटम और दैनिक उपयोग की वस्तुएं तैयार करने की बारीकियां सीखीं। प्रशिक्षकों ने उन्हें कच्चे माल के चयन से लेकर तैयार उत्पाद की फिनिशिंग तक की पूरी प्रक्रिया समझाई। प्री-वोकेशनल ट्रेनिंग का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है। इस प्रकार के प्रशिक्षण से बच्चे भविष्य में स्वयं का छोटा व्यवसाय भी प्रारंभ कर सकते हैं। साथ ही वे अपने अंदर छिपी प्रतिभा और रचनात्मकता को पहचानकर उसे विकसित करने का अवसर प्राप्त करते हैं। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि

कौशल आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे रोजगार के नए अवसरों के लिए तैयार होते हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों में उद्यमिता की भावना भी विकसित हो रही है। इस अवसर पर विद्यालय के एसएमडीसी अध्यक्ष श्री कमलेश सूर्यवंशी जी, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित घोष, समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई वस्तुओं का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। प्राचार्य डॉ. अमित घोष ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं, बल्कि जीवन के लिए उपयोगी कौशल प्राप्त करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि आगामी समय में अन्य कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। इस सफल आयोजन ने विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास की नई ऊर्जा का संचार किया है। प्री-वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से विद्यालय ने कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है जो निश्चित ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करेगा।

देवी कथा से नैतिकता और संस्कारों का उदय होता है : कुलबीर

सिंघोला में श्रीमद् देवी भागवत कथा का हुआ भव्य आयोजन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। मां भानेश्वरी देवी की कृपा से ग्राम सिंघोला बजरंग चौक में जय श्री राधे-राधे भागवत समिति व ग्रामवासियों द्वारा नौ दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा का आयोजन 20 से 28 फरवरी तक किया गया। जिसमें प्रवचनकर्ता पंडित भूपेन्द्र पाण्डे द्वारा मां भगवती के नौ रूपों के साथ-साथ देव अवतारों की कथा का विस्तार से प्रवचन किया। 27 फरवरी शुक्रवार सप्तमी को मां सावित्री देवी, मां मनसा देवी एवं राजा परीक्षित मोक्ष व सहचढ़ौतरी में समाजसेवी व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा शामिल होकर देवी महापुराण का श्रवण किया इससे पूर्व प्रवचनकर्ता को शॉल-श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने मां भगवती से ग्रामवासियों की सुख-शांति व समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि आदिशक्ति की भक्ति से सभी कष्ट दूर होते हैं, देवी कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को नैतिकता और संस्कारों का उदय होता है। मां जगदम्बा की आराधना से व्यक्ति में साहस, करुणा और सेवा-भाव का विकास होता है, समाज में एकता, सद्भाव और नारी-सम्मान को बढ़ावा मिलता है। मां देवी शक्ति हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। श्री छाबड़ा ने श्रोतासमाज को आव्हान करते हुए कहा कि विनम्रता, सेवा और देवी-भक्ति के मार्ग पर चले आज के समय में भी मां आदिशक्ति उतना ही प्रासंगिक है, जितना प्राचीन काल में था। अंत में श्री छाबड़ा ने आयोजक समिति और श्रद्धालुओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से सामाजिक समरसता मजबूत होती है और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व जनपद सदस्य योगेन्द्र वैष्णव, भोज साहू, छोटू सिंघोलिया, नरोत्तम साहू, राजकुमार, तुलसी हिरवानी, जसवंत, ईश्वर निषाद, मुकेश साहू, रिंकू पाण्डे, सरोज साहू, उमेला साहू, देवकी निषाद, आमेश बाई साहू, युवती साहू, रूखमणी साहू, ओम बाई साहू, गणेशी, परमेश, नम्रता, खिलेश, सुनिता, केंवरा, विभा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत कौरिनभाठा में निर्मित एलआईजी (जी+3) प्रकोष्ठ भवनों के लिए पंजीयन प्रारंभ

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना दीनदयाल आवास अंतर्गत राजनांदगांव शहर के कौरिनभाठा में कुल 792 आवास का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें 544 भवनों का निर्माण एवं विकास कार्य पूर्ण कर हितग्राहियों को भवन आबंटित किया जा चुका है तथा सभी हितग्राही कालोनी में निवासरत है। शेष 248 भवनों का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 112 एलआईजी (जी+3) प्रकोष्ठ भवनों का निर्माण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। कालोनी से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर नेशलन हाईवे, 800 मीटर की दूरी पर कमला कॉलेज, 1.5 किलोमीटर की दूरी पर आम्बेडकर चौक स्थित है। समीप ही सृष्टि कालोनी, रिद्धी-सिद्धी कालोनी, आफिसर्स क्लब स्थित है। प्रस्तावित 112 एलआईजी (जी+3) प्रकोष्ठ भवन निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए बनाया जा रहा है, जिनकी वार्षिक आय 6 लाख रूपए या 6 लाख रूपए से कम होना चाहिए। इस भवन का मूल्य 11.20 लाख रूपए से 11.80 लाख रूपए है।

शुभांक
1-6-7
148-3 689-3

जहाँ गौ का सम्मान है, वहीं राष्ट्र का उत्थान है : जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा

छुरिया (नांदगांव टाइम्स)। छुरिया जनपद पंचायत में छत्तीसगढ़ सरकार के सबसे बड़ी महत्त्वाकांक्षी योजना गौ धाम समिति की बैठक जनपद अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई । इस बैठक में मुख्यरूप रूप से विजय कोठारी तहसीलदार,होरी लाल साहू सी.ई.ओ जनपद छुरिया,सुश्री उपासना चंद्राकर सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी, जीवन जांघेल, वेद यादव,पडोटी, सरपंचगण उपस्थित रहे । श्री सिन्हा ने बैठक में चर्चा के दौरान बताया कि हमारे देश में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। सरकार के मंशानुरूप छुरिया विकासखंड में 10 स्थानों पर गौ धाम (गौशाला) संचालन को लेकर चर्चा की गई, उक्त बैठक में क्षेत्रीय बसाहट के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग, स्टेट हाइवे को दृष्टिगत रखते हुए,स्थल का चयन मौका निरीक्षण व उपलब्ध सुविधाएं,जमीन की उपलब्धता को भौतिक निरीक्षण के आधार पर चयन किया जावेगा ।सरकार की इस योजना से अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ सेवा को पुण्य कार्य बताया है। लेकिन समय के साथ सड़कों पर घूमते निराश्रित गौवंश की समस्या अधिक बढ़ी है। इससे किसानों की फसलों को

नुकसान होता है और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी रहती है। इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार द्वारा गौ धाम योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य है निराश्रित और घुमंतू गौवंश को सुरक्षित आश्रय प्रदान करना, उनके चारा, पानी और चिकित्सा की उचित व्यवस्था करना तथा उनके संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हमारी सरकार की मंशा है । गौ धाम संचालन करने के लिए उक्त स्थान पर शेड निर्माण, चारे की व्यवस्था, स्वच्छ पानी, पशु चिकित्सक की सुविधा और देखभाल के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी । इससे गायों को सुरक्षित वातावरण मिलता है और किसानों को राहत मिलती है। साथियों, गौ धाम केवल एक आश्रय स्थल नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता का भी माध्यम है। यहाँ गोबर से जैविक खाद और वर्मी कम्पोस्ट बनाई जाती है, जिससे किसानों को प्राकृतिक खेती में लाभ मिलता है। गौमूत्र से औषधीय एवं जैविक उत्पाद भी तैयार किए जा सकते हैं। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं ।यह योजना हमारी संस्कृति, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था तीनों को मजबूत करने का कार्य कर रही है। हमें भी चाहिए कि हम गौ सेवा के इस कार्य में सहयोग करें, स्वच्छता बनाए रखें और गौ धाम को सफल बनाने में अपनी भागीदारी निभाएँ। अंत में उन्होंने कहा कि च्चहाँ गौ का सम्मान है, वहीं राष्ट्र का उत्थान है। गौ सेवा ही सच्ची सेवा है, यही हमारी पहचान है।

भारत सरकार नीति आयोग के केंद्रीय प्रभारी अधिकारी राकेश कुमार टोन्डर ने देखा आकांक्षी विकासखंड बोड़ला के कार्य

आंगनवाड़ी केंद्र ,स्कूल, उप स्वास्थ्य केंद्र पीएम जनमन आवास सहित महिला स्व सहायता समूह के कार्यों किया निरीक्षण

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स) भारत सरकार नीति आयोग के केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी राकेश कुमार टोन्डर आकांक्षी विकासखण्ड बोड़ला संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत कराये जा रहे विभिन्न विभागीय कार्यों के जमीनी अवलोकन के लिए दो दिवसीय प्रवास पर आकांक्षी विकासखंड बोड़ला पहुंचे। प्रवास के दौरान कलेक्टर गोपाल वर्मा से सौजन्य मुलाकात की गई। कलेक्टर द्वारा नीति आयोग के विभिन्न सूचकांको पर आकांक्षी विकासखण्ड बोड़ला में किये जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी । साथ ही बताया गया कि जिला प्रशासन के विभिन्न प्रयासों जैसे सरोवर समृद्धि योजना को भारत सरकार

नीति आयोग द्वारा अपने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जगह देते हुए सराहा गया है। प्रभारी अधिकारी टोन्डर ने राजनवागांव के मल्टी यूटिलिटी सेंटर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन च्चहानच् की महिला स्व सहायता समूह द्वारा कराये जा रहे विभिन्न सामग्री निर्माण को देखकर जानकारी ली। दोना पत्तल निर्माण, आचार, पापड़ निर्माण, कोदो, कुटकी, रागी एवं अन्य मिलेट सामग्रियों से निर्मित खाद्य पदार्थों को चखा और स्वाद और गुणवत्ता की तारीफ की। हर्बल गुलाल, धूप बत्ती, अगरबत्ती जैसे अन्य उपयोगी सामग्रियों एवं उसकी पैकेजिंग के कार्य का अवलोकन किया। कम्प्युनिटी प्लॉमिंग के तहत सब्जी उत्पादन की जानकारी ली गई, जिसमें समूह द्वारा मटर, फूल गोभी, आलू उत्पादन से संबंधित पूरी जानकारी देकर बताया गया कि समूह को इस कार्य से आर्थिक लाभ हो रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल भी उपस्थित रहें।

ऋण आवेदनों पर बैंक त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें - कलेक्टर गोपाल वर्मा

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने डीएलसीसी की बैठक में जिले के सभी बैंकों के अधिकारियों को शासन की योजनाओं के तहत आने वाले ऋण आवेदनों पर बिना किसी देरी के त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के माध्यम से हितग्राहियों को सब्सिडी का लाभ दिलाने के लिए बैंक में ऋण आवेदन भेजे जाते हैं, ऐसे में इन आवेदनों को किसी भी स्तर पर लंबित न रखा जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी आवेदन में दस्तावेज की कमी हो या कोई समस्या हो, तो संबंधित हितग्राही या विभाग को तुरंत जानकारी दें, ताकि कमी को जल्द पूरा किया जा सके और लोगों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की तिमाही बैठक के दौरान यह निर्देश दिए। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले बैंकों में लंबित सभी ऋण आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र हितग्राही का आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए। बैंकों को शासन की योजना के लिए समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। जिससे आसानी से ऋण प्राप्त हो सके। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बैंकों द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा प्रेषित हितग्राही मूलक आवेदनों पर धीमी कार्रवाई और स्पष्ट कारण प्रस्तुत नहीं करने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सभी बैंक अधिकारी अपने पास प्राप्त आवेदनों की पूरी जानकारी रखें तथा यदि कोई प्रकरण लंबित है तो उसका स्पष्ट कारण बताएं। बिना किसी वाजिब कारण के आवेदनों को लंबित रखना गंभीर लापरवाही माना जाएगा।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति और जिला स्तरीय समीक्षा समिति की ली बैठक

nandgaon times march-01-3.qxd 2/28/2026 9:52 PM Page 3

ज्ञान मंथन

1) भारत में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस किस दिन मनाया जाता है?
2) मैसूर के किस जन आंदोलन को पारंपरिक खेती पद्धतियों के संरक्षण के लिए 31वां डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार मिला?
3) सोनोब्वाय का प्राथमिक कार्य क्या है?
4) ब्रिटेन का वह गवर्नर कौन है जिसने भारत में डाक टिकट शुरू किया था?
5) दुनिया का पहला देश कौन सा बना है जिसने डिएला नामक एक वर्चुअल सरकारी अधिकारी को

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) 16 जनवरी (2) सहजा समृद्ध (3) पानी के अंदर की आवाजों पर नजर रखने के लिए (4) लॉर्ड डलहौजी (5) अल्बानिया

चांवल के बाद शक्कर घोटाला

होली त्यौहार में गरीब नही खायेंगे मीठा

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। एपीएल कार्ड से चावल गायब होने के बाद अब गरीबों के राशन से शक्कर भी गायब करने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों से मिली जानकारी में बताया जाता है कि पूर्व बीते माह में एपीएल राशन कार्ड हितग्राहियों का चावल राशन दुकान में नहीं पहुंचने के कारण वितरण नहीं हो पाया था और इस माह के अंतिम दिन तक कई राशन दुकानों में गरीबों को शक्कर वितरण नहीं किया गया जिससे कई प्रकार के सवाल खड़े उठने लगे है ?

घोटाले के ऊपर घोटाला।

वहीं जानकारो की माने तो पूर्व में पूरे जिले भर के राशन दुकान से लगभग 14 करोड़ के चावल का घोटाला किए जाने की बात सामने आई थी और इस माह कई बीपीएल राशन कार्ड हितग्राहियों को कई राशन दुकानों से शक्कर प्राप्त नहीं हुई जिससे प्रतीत होता है कि निश्चित रूप से घोटाला किया गया है जिसकी अगर सूक्ष्मता से जांच की जाए तो घोटालेबाज सामने आ सकते है। वहीं बताया जाता है कि इन घोटालों की खबर केंद्र शासन तक नहीं पहुंच पाती जिसके कारण इन घोटालेबाजों के हौसले बुलंद हैं, और यह मुहावरा चरितार्थ होते नजर आ रहा है कि मेरे देश में सौ बईमान फिर भी मेरा देश महान। कई गरीबों की थाली से फरवरी माह का शक्कर गायब होने से करोड़ों के घोटाले की आशंकाएं जताई जा रही है जो केंद्र व राज्य शासन में बैठी भाजपा सरकार के लिए विचाराधीन विषय है।

ब्लॉक के कई राशन दुकानों से शक्कर गायब।

बताया जाता है कि शहरी सहित ग्रामीण क्षेत्रों की सैकड़ों दुकानों में फरवरी माह का शक्कर नहीं आया जिसके कारण बीपीएल राशन कार्ड हितग्राहियों को शक्कर वितरण नहीं किया गया। वहीं कुछ हितग्राहियों के द्वारा बताया गया कि हमें जिस राशन दुकान से सभी राशन प्राप्त होता था वहां से चावल और नमक प्राप्त हुआ व शक्कर बाद में आयेगा बताया गया परन्तु 28 फरवरी तक राशन दुकान के चक्कर काटने के बाद भी दुकान संचालक द्वारा बताया गया कि प कि शक्कर नहीं आया है और भरे त्यौहार में हमें मीठा खाने से वंचित होना पड़ेगा।

कृषक उन्नति योजना के तहत जिले के 1.17 लाख किसानों के खाते में पहुंची 461.82 करोड़ रुपए

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने होली पर्व से पहले किसानों को बड़ी सौगात देते हुए बिल्हा विकासखंड के ग्राम रहंगी खेल मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से कृषक उन्नति योजना अंतर्गत प्रदेश के किसानों को आदान सहायता राशि उनके खाते में अंतरित की। इसके अंतर्गत कबीरधाम जिले के 1 लाख 17 हजार 344 किसानों के खाते में कुल 461.82 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर कवर्धा जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों में कृषक उन्नति योजना के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे और किसानों से संवाद किया। कवर्धा के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, कलेक्टर गोपाल वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, सीताराम चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, नरेंद्र मानिकपुरी, भुनेश्वर चंद्राकर उप संचालक कृषि श्री अमित मोहंती सहित बड़ी संख्या में किसान और अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने लौटाया 36 हजार का लेडीज़ पर्स

राजनांदगाँव (नांदगाँव टाइम्स)। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट राजनांदगांव ने च्ऑपरेशन अमानतज्ज् के तहत ईमानदारी का परिचय देते हुए

लावारिस मिला लेडीज़ पर्स उसके परिजन को सुरक्षित सुपुर्द किया। यह कार्रवाई दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन के नागपुर मंडल अंतर्गत की गई। 26 फरवरी 2026 को गाड़ी संख्या 20825 वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना कराने के दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर एक लेडीज़ पर्स लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के बाद पर्स को आरपीएफपोस्ट लाकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। इसी बीच प्रवीण जैन नामक व्यक्ति पोस्ट पहुंचे और बताया कि उनकी पत्नी श्रुति जैन यात्रा के दौरान पर्स भूल गई हैं। पहचान और आवश्यक पुष्टि के बाद पर्स में रखी ?21,000 नकद राशि तथा लगभग ?15,000 मूल्य की सोने की बाली सहित कुल ?36,000 का सामान सुरक्षित रूप से उन्हें सौंप दिया गया। इस सराहनीय कार्य के लिए प्रवीण जैन ने निरीक्षक तरुणा साहू एवं आरपीएफस्टाफ का आभार व्यक्त किया।

जिले के 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र हुआ प्राप्त

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के निरीक्षण के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी विकासखंड डोंगरगांव में राष्ट्रीय निरीक्षक डॉ. के श्रीनाथ रेड्डी एवं डॉ. मधुरजय बरूवा द्वारा 2 दिवसीय एनक्यूएएस असेसमेंट सफलता पूर्वक सम्पन हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनआर नवरतन एवं डीपीएम श्री संदीप ताम्रकार के द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। जिले से डॉ. विकास राठौर, डॉ. स्नेहा जैन, डॉ. निहारिका टीम बनाकर तैयारी कराई जा रही है। जिले के 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। 83 संस्था की तैयारी पूर्ण का आवेदन किए हुए हैं, 24 का निरीक्षण हो चुका है जिसका राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र आना बाकी है। मार्च 2026 तक 7 और संस्था की तैयारी पूर्ण कर आवेदन किया जाएगा। पूरे प्रदेश में राजनांदगांव जिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक में प्रथम स्थान पर है।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शंकरपुर, मोतीपुर, लखोली की साधारण सभा जीवन दीप समिति की बैठक संपन्न

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। महापौर एवं अध्यक्ष जीवन दीप समिति श्री मधुसूदन यादव की अध्यक्षता में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोतीपुर के सभाकक्ष में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शंकरपुर, मोतीपुर, लखोली की साधारण सभा जीवन दीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने, शिशुओं एवं वृद्धजनों को नि:शुल्क उपचार एवं जांच कराने, एनएनसी व पीएनसी की नि:शुल्क सेवाएं देने, मरीजों को आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वच्छ पेयजल सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में वार्ड क्रमांक 3 मोतीपुर के पार्षद श्री कमलेश बंदे, वार्ड क्रमांक 10 शंकरपुर के पार्षद श्रीमती अपूर्वा श्रीवास्तव, वार्ड क्रमांक 29 लखोली के पार्षद श्रीमती गिरजा निर्मलकर, उप अभियंता नगर पालिक निगम राजनांदगांव सुश्री आयुषि सिंह, जिला प्रबंधक-शहरी डॉ. पूजा मेश्राम, अर्बन सुपर वाईजर श्री केके शर्मा, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुषमा साहू, डॉ. शैलेश कुमार जोशी एवं डॉ. सतीश कुमार मेश्राम, स्टाफ नर्स, एएनएम, जेएसए, मितानिन एवं सहयोगी स्टाफ उपस्थित थे।

बमनीभाटा हाई स्कूल में बेंच बेचे जाने की शिकायत पर प्रदेश कांग्रेस मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु उदय मिश्रा सहित युवाओं ने जिला शिक्षा अधिकारी के नाम सौंपा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। विकासखंड डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम बमनीभाटा स्थित शासकीय हाई स्कूल में शाला की बेंचों को कथित रूप से बेचे जाने की गंभीर शिकायत सामने आने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु उदय मिश्रा ने साथियों सहित जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल के नाम ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग की है । ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्रामीणों द्वारा साइकिल में बेंच बांधकर ले जाए जाने के फोटो सामने आए हैं, जो अत्यंत चिंताजनक हैं और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़ा करते हैं। यदि शासकीय विद्यालय की संपत्ति को इस प्रकार अवैध रूप से बेचा या बाहर ले जाया जा रहा है, तो यह न केवल शासकीय संपत्ति का दुरुपयोग है, बल्कि विद्यार्थियों के अधिकारों का भी हनन है। विद्यालयों में पहले से ही संसाधनों की कमी की शिकायतें मिलती रही हैं, ऐसे में बेंचों की कमी से छात्रों को फर्श पर बैठकर पढ़ाई करने की नौबत आ सकती है। अभिमन्यु उदय मिश्रा ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में इस प्रकार की अनियमितता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की तत्काल निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक एवं विधिक कार्रवाई की जाए, विद्यालय में उपलब्ध फर्नीचर का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए तथा विद्यार्थियों के हित में आवश्यकतानुसार नई बेंचों की शीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस दौरान उत्तर ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष संदीप सोनी, सौम्य शर्मा, निर्मल द्विवेदी, निमेष देशलहरे, विकास यादव आदि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा और यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल ने परीक्षा दौरे पर होने के कारण फोन पर बात कर मामले की जानकारी ली, ज्ञापन लेने हेतु सक्षम अधिकारी को निर्देशित किया।

25 लाख किसानों के खातों में 10,000 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक भुगतान - चेमन देशमुख

पूरे प्रदेश में उत्साह और खुशहाली का वातावरण- जिला महामंत्री राकेश छोटू यादव, सौरभ लूनिया

बालोद (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि भाजपा घोषणाओं की नहीं, बल्कि परिणामों की राजनीति करती है। प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में 10,000 करोड़ रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित कर सरकार ने अपने संकल्प को सिद्धि में बदल दिया है।जिला अध्यक्ष देशमुख ने कहा कि जहां पूर्ववर्ती सरकारें किसानों को केवल आश्वासनों और भ्रम में उलझाए रखती थीं, वहीं साय सरकार ने सत्ता में आते ही किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। आज किसानों के खातों में बिना बिचौलियों और बिना किसी देरी के राशि पहुंच रही है — यही सुशासन का वास्तविक स्वरूप है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्णायक नेतृत्व और स्पष्ट नीयत के कारण प्रदेश की दिशा और दशा दोनों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। यह ऐतिहासिक निर्णय किसानों के लिए एक साथ होली और दिवाली जैसा उत्सव लेकर आया है। पूरे प्रदेश में उत्साह, विश्वास और गर्व का वातावरण है। जिला महामंत्री द्वय राकेश छोटू यादव व सौरभ लूनिया ने प्रदेश के युवा एवं दूरदर्शी वित्त मंत्री ओपी चौधरी की भूमिका को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि उनके मजबूत वित्तीय अनुशासन और पारदर्शी प्रबंधन के कारण इतनी बड़ी राशि का सुव्यवस्थित और त्वरित भुगतान संभव हो पाया है। यह इस बात का प्रमाण है कि जब नेतृत्व ईमानदार और संकल्पित हो, तो संसाधनों की कोई कमी नहीं रहती। महामंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग किसानों के नाम पर केवल राजनीति करते थे, वे आज इस ऐतिहासिक निर्णय से निरुत्तर हैं। साय सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसान सम्मान केवल भाषणों से नहीं, बल्कि ठोस निर्णयों और प्रभावी क्रियान्वयन से मिलता है। दोनों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी जिला एवं जनपद मुख्यालयों में किसानों की उपस्थिति में समारोहपूर्वक राशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अन्नदाता के स्वाभिमान और सम्मान का उत्सव है। बालोद जिले के 1लाख 48 हजार किसानों के खाते में 511 करोड़ रुपए मुख्यमंत्री को धन्यवाद किया है अंत में महामंत्रीयों ने कहा कि भाजपा सरकार किसान, युवा और गांव के सशक्तिकरण के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है तथा समृद्ध और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

धर्म समाचार....

रंग खेलने से पहले घर से निकाल फेंकें ये 4 चीजें, वरना लगेगा वास्तु दोष

होली का त्योहार खुशियों, रंगों और नई शुरुआत का प्रतीक है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि घर में रखी कुछ पुरानी और बेकार चीजें आपकी तरक्की में रुकावट बन सकती हैं? वास्तु शास्त्र और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, होली से पहले घर की सफाई करना केवल स्वच्छता का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को बाहर निकालने का एक तरीका भी है।

घर से दूर करें ये नकारात्मक चीजें

1. टूटे हुए कांच और बर्तन- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में टूटे हुए कांच, दरार वाले आईने या चटके हुए बर्तन रखना बहुत ही अशुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी चीजें घर में मानसिक तनाव और आर्थिक तंगी का कारण बनती हैं। होली की सफाई के दौरान सबसे पहले इन्हें हटा देना चाहिए।

2. बंद पड़ी घड़ियां

समय को निरंतर चलने का प्रतीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में बंद पड़ी घड़ी आपकी प्रगति को रोक सकती है। यह घर के सदस्यों के जीवन में ठहराव और आलस्य लाती है। अगर आपके घर में ऐसी कोई घड़ी है जो ठीक नहीं हो सकती, तो उसे तुरंत बाहर कर दें।

3. फटे हुए जूते-चप्पल और पुराने कपड़े

अक्सर हम पुराने या फटे हुए जूते-चप्पलों को स्टोर रूम या पलंग के नीचे दबा देते हैं। शास्त्रों के अनुसार, फटे हुए जूते-चप्पल शनि दोष और दरिद्रता का कारण बनते हैं। होली के शुभ अवसर पर सकारात्मक ऊर्जा के स्वागत के लिए पुरानी गंदगी और फटे-पुराने कपड़ों का दान कर देना चाहिए या उन्हें घर से हटा देना चाहिए।

4. खंडित मूर्तियां और खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान

घर के मंदिर में कभी भी खंडित यानी टूटी हुई मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। इसके साथ ही, खराब पड़े बिजली के उपकरण (जैसे बंद रेडियो, खराब बल्ब या तार) भी राहु-केतु के दोष को बढ़ाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स घर में विवाद और कलह की स्थिति पैदा करते हैं।

क्यों और कितनी बार करनी चाहिए अग्नि की परिक्रमा? यहां जानें सही नियम

हिंदू धर्म में होली का पावन पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। होलिका दहन की अग्नि को बहुत ही पवित्र और ऊर्जा से भरपूर माना गया है, जिसमें हमारे जीवन की नकारात्मकता को दूर करने की शक्ति होती है। बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि अग्नि की परिक्रमा करना केवल एक धार्मिक रीत नहीं है, बल्कि यह ईश्वर के प्रति अपना आभार जताने और अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगने का एक तरीका भी है। अक्सर हम देखते हैं कि होलिका दहन के बाद सभी लोग अग्नि के चारों ओर घूमते हैं। इसके पीछे छिपे धार्मिक कारणों और सही विधि को समझना बहुत जरूरी है, ताकि हम इस परंपरा का पूरा लाभ उठा सकें और अपने जीवन को और भी सुखद बना सकें। होलिका दहन के समय परिक्रमा की संख्या का बहुत महत्व होता है। आमतौर पर शास्त्रों के अनुसार अग्नि की तीन या सात बार परिक्रमा करना सबसे शुभ माना जाता है। तीन की संख्या को त्रिदेवों ब्रह्मा, विष्णु और महेश के सम्मान में उत्तम माना जाता है, जबकि सात परिक्रमाएं हमारे जीवन के सात चक्रों की शुद्धि का संकेत देती हैं। परिक्रमा करते समय मन में ईश्वर के प्रति धन्यवाद का भाव रखना चाहिए, जिससे हम उन सभी सुखों के लिए आभार व्यक्त कर सकें जो हमें मिले हैं। यह संख्या हमें अनुशासन और श्रद्धा की सीख देती है। सही संख्या में और शांत मन से की गई परिक्रमा मन के भीतर छिपे डर और आशंका को दूर करने में बहुत सहायक सिद्ध होती है, जिससे मानसिक बल मिलता है। अग्नि की परिक्रमा करने के पीछे केवल श्रद्धा ही नहीं, बल्कि कुछ वैज्ञानिक कारण भी छिपे हैं। होलिका दहन के समय जब अग्नि तेज जलती है, तो उसके आसपास का तापमान बढ़ जाता है जो वातावरण में मौजूद हानिकारक कीटाणुओं को नष्ट करने में मदद करता है। जब हम परिक्रमा करते हैं, तो अग्नि की वह ऊर्जा हमारे शरीर को छूती है जिससे सेहत में सुधार होने की संभावना बनी रहती है।

nandgaon times march-01-3.qxd 2/28/2026 9:52 PM Page 4

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बैग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बैग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बेट, टी-टी बेट, ट्रेक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बैग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

महावीर स्वास्थ्य शिविर में पहले दिन 743 लोगों ने लिया लाभ

जैन बगीचा में जारी महावीर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, पहले दिन उमड़ी भीड़, विभिन्न विशेषज्ञों ने दी परामर्श सेवा, जांच और दवाएं भी रहीं नि:शुल्क

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सदर बाजार स्थित जैन बगीचा में श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ राजनांदगांव एवं श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवा मंडल के तत्वावधान में 28 फरवरी एवं 1 मार्च को दो दिवसीय च्महावीर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरज्ज् का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के पहले दिन आज 743 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। 28 फरवरी को शिविर का उद्घाटन 20 सूत्री कार्यक्रम के ऑनलाइन समिति के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष खूबचंद पारख एवं पूर्व महापौर नरेश डाकलिया, श्री जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के मैनेजिंग ट्रस्टी अजय सिंगी एवं ट्रस्टी जीवनचंद जी, ललित भंसाली, रोशन गोलछा के कर कमलों से हुआ।

शिविर में सुबह से बड़ी संख्या में मरीज पंजीयन के लिए पहुंचने लगे। शाम चार बजे तक लगातार जांच और परामर्श का सिलसिला चलता रहा।आयोजक श्री जैन श?वेतांबर मूर्तिपूजक युवा मंडल के पदाधिकारियों के अनुसार, शिविर में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पुखराज बाफना, डॉ. विक्रम बैद,डॉ. अनिमेष गाँधी,डॉ. मयंक सुराना, एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ डॉ. दीप नारायण शुक्ला, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्यांशी जैन एवं डॉ. निकिता जैन एवं डॉ. नीरजा , एमडी मेडिसिन डॉ. एच एल मोतीरमानी, डॉ. अर्पण जैन , पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय वाचच्चानी,हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ.गौरव जैन , दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीकांत पारख, डॉ. प्रतिक लालवानी, डॉ. प्रशांत कोठारी , नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सार्थक बाफना एवं उदयाचल टीम , श्वसन चिकित्सा रोग

विशेषज्ञ डॉ.. चंद्रकांत उसेंडी, डॉ. वर्षा विश्वनाथ, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.गौरव जैन , त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सुगंधा गांधी, डॉ. सिद्धार्थ गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण किया और आवश्यक परामर्श भी दिया । मरीजों की प्राथमिक जांच के बाद दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। कई जरूरतमंदों की ईसीजी व अन्य जांच भी शिविर में की गई। पहले ही दिन बड़ी संख्या में शुगर, बीपी और थायराइड से पीड़ित मरीज पहुंचे। इसके अलावा घुटनों और जोड़ों के दर्द, त्वचा संबंधी समस्या, महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याएं तथा बच्चों के स्वास्थ्य परामर्श के लिए भी लोगों ने पंजीयन कराया। आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आमजन को विशेषज्ञ उपचार सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक कारणों से कोई भी व्यक्ति उपचार से वंचित न रहे। पहले दिन की उल्लेखनीय उपस्थिति से स्पष्ट है कि शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर को लेकर उत्साह है। शिविर का आयोजन रविवार 1 मार्च को भी सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि रविवार के शिविर में उक्त डॉक्टरों के अलावा डॉ.ए एस दीक्षित, डॉ एमके दिवाकर, डॉ प्रकाश सदानी,डॉ. पारस सोनी, डॉ आदित्य पारख एवं डॉ. चिन्मय डाकलिया की भी सेवाएं मिलेंगी। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर में पहुंचकरस्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की है।

राजनांदगांव में शासकीय विज्ञापन बोर्ड को लेकर उठा सवाल - अशोक फडणवीस

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के पूर्व चेयरमैन व वरिष्ठ नेता अशोक फड़णवीस ने जनसंपर्क विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि शासन की योजनाओं के विज्ञापन बोर्ड धरातल पर नजर नहीं आ रहे बल्कि केवल फोटो खींचकर फाइलों में दिखाने की कवायद की गई है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। श्री फड़णवीस ने एक वीडियो का हवाला देते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री के जन्मदिन 21 फरवरी की सुबह आंबेडकर चौक के पास एक मालवाहक वाहन में शासकीय योजनाओं के विज्ञापन बोर्ड लाए गए। वाहन से बोर्ड उतारकर कुछ मिनटों के लिए चौक पर खड़ा किया गया फोटो खींची गई और फिर तत्काल वापस वाहन में रख लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी प्रकार कलेक्टर कार्यालय मार्ग, वीआईपी मार्ग, ममता नगर मार्ग और दिग्विजय स्टेडियम मार्ग सहित शहर के कई प्रमुख स्थानों पर बोर्ड कुछ समय के लिए लगाए गए और फोटो खींचकर हटा दिए गए। उन्होंने स्वयं शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों का निरीक्षण किया, लेकिन कहीं भी स्थायी रूप से लगाए गए शासकीय विज्ञापन बोर्ड दिखाई नहीं दिए। इससे स्पष्ट होता है कि जनसंपर्क विभाग केवल कागजी कार्रवाई और फोटो के माध्यम से योजनाओं के प्रचार का दिखावा कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह सब विभाग की जानकारी के बिना संभव है? अगर विधानसभा अध्यक्ष के क्षेत्र में ऐसा हुआ है, तो प्रदेश के अन्य जिलों में भी इसी तरह की कार्रवाई की गई होगी। यह जांच का विषय है कि क्या मुख्यमंत्री की योजनाओं को जनता तक न पहुंचने देने के लिए कोई षड्यंत्र रचा गया है या फिर केवल फोटो के आधार पर शासकीय तिजोरी से राशि आहरित करने की मंशा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि 21 फरवरी की सुबह 7:00 से 7:30 बजे के बीच आंबेडकर चौक क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए। उनके अनुसार, पुलिस विभाग के सीसीटीवी कैमरों में संबंधित गतिविधियों का रिकॉर्ड उपलब्ध हो सकता है। यदि प्रशासन वास्तव में पारदर्शिता चाहता है तो इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वीडियो और सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि हो जाती है, तो यह जनसंपर्क विभाग की कार्यशैली पर बड़ा प्रश्नचिह्न होगा। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और क्या वास्तव में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जाती है या नहीं।

धरातल पर नहीं दिखे योजना बोर्ड, सिर्फ फोटो खिंचवाकर हटाए गए

होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। नगर पंचायत श्रेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों में होली और रमजान पर्व को लेकर नगर पंचायत के सभाहाल और थाना परिसर में में पर्व को शांति पूर्ण सौहाद्रपूर्ण परंपरा के अनुसार मनाने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया था बैठक में एसडीएम श्रीकांत कोराम, तहसीलदार कमल किशोर साहू, सीएमओ विनम्र जेमा, नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, थाना प्रभारी आशीर्वाद रहटगांवकर, पार्षदगण, ग्रामीण क्षेत्र के सरपंच, कोटवार, ग्रामीण जन,जनप्रतिनिधिगण, नगर के वरिष्ठ नागरिको की उपस्थिति में सभी लोगो के एकमत होकर निर्णय लिया गया है, बैठक में बोर्ड परीक्षा का ध्यान रखते हुए ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण, साउंड सिस्टम का उपयोग सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित मानकों के अनुरूप होगी, कोई भी इन नियमों का उल्लंघन करने पर कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी, इनके अलावा नशे एवं यातायात के उलंघन पर सख्ती, शराब पीकर वाहन चलाने वाले, मुखौटा पहनने वाले , गाड़ी में साइलेंसर पटाखे जैसी आवाज निकालने वाले,तीन सवारी वाहन चलाने वाले,के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर वाहन जप्त किया जाएगा। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की गस्त टीम चौक चौराहे पर होगी।

राजनांदगांव में आज महावीर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ओपीडी, दवाइयां एवं ईसीजी की सुविधा उपलब्ध

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ राजनांदगांव एवं श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवा मंडल के तत्वावधान में 1 मार्च 2026 को दो दिवसीय च्महावीर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरज्ज् का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन जैन बगीचा, सदर बाजार, राजनांदगांव में प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक किया जाएगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश के अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इस शिविर में विभिन्न रोगों की जांच एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा। शिविर में नि:शुल्क ओपीडी, दवाइयों का वितरण एवं ईसीजी जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर में एम.डी. मेडिसिन, हड्डी रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, पेट रोग, चर्म रोग, बाल रोग, हृदय रोग एवं एक्यूप्रेशर विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त डायग्नोस्टिक टेस्ट पर विशेष रियायत (50ल तक) की व्यवस्था भी की गई है। आयोजकों ने विशेष रूप से शुगर, बी.पी., थायराइड, हृदय व नसों की समस्या, जोड़ों व कमर दर्द, त्वचा व बालों की समस्या, गर्भावस्था संबंधी समस्याएं, बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सलाह की आवश्यकता रखने वाले नागरिकों से शिविर का लाभ लेने की अपील की है। आयोजन समिति ने बताया कि यह शिविर जनसेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से आयोजित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा एक ही स्थान पर सुलभ हो सके। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक नागरिक जैनम बैद (मो. 90988-00100) एवं अध्यक्ष-युवा मंडल (मो. 99071-22033) से संपर्क कर सकते हैं। सभी आमजन से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।

प्रिसिशन इंजी वर्क्स
स्टील अलमारी, स्ट्रोंग रूम गेट
सभी तरह के फेब्रीकेशन वर्क किया जाता है।
पता- इण्डस्ट्रियल एरिया, जीई रोड, राजनांदगांव
मो. 94060-11669

डिजिटल हुआ नगर पंचायत

घर-घर टैक्स वसूली, मौके पर रसीद! वेतन में भी आत्मनिर्भर बना निकाय

कर्मचारी टैक्स वसूली में व्यस्त,

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। नगर पंचायत द्वारा अपने पंद्रह वार्डो के उपभोक्ताओं के लिए अब टैक्स वसूली के लिए लंबी फाइलें, रसीद बुक और मैन्युअल हिसाब-किताब की जरूरत नहीं रही। नगर पंचायत डोंगरगांव ने तकनीक का सहारा लेकर राजस्व वसूली की पूरी व्यवस्था डिजिटल कर दी है। कर्मचारी घर-घर पहुंचकर मोबाइल एप से टैक्स एंट्री कर रहे हैं और ब्लूटूथ प्रिंटर से मौके पर ही स्पॉट बिलिंग कर रसीद दे रहे हैं। इस बदलाव से न सिर्फ प्रक्रिया तेज हुई है, बल्कि करदाताओं को तत्काल रसीद मिलने से भरोसा भी बढ़ा है। नकद के साथ-साथ डिजिटल भुगतान की सुविधा ने संग्रहण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बना दिया है।

शासन की सूची में नाम नहीं, फिर भी चर्चा में क्यों?

25 फरवरी 2026 को संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी आदेश में प्रदेश के 134 नगरीय निकायों को जनवरी (पेड इन फरवरी 2026) तक के वेतन भुगतान के लिए 5171.21 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई।

सूची में शामिल रहे:

11 नगर निगम, , 38 नगर पालिका, 85 नगर पंचायत, लेकिन इस सूची में डोंगरगांव का नाम नहीं था। कारण स्पष्ट है—यहां कर्मचारियों का वेतन नियमित रूप से हर माह आंतरिक संसाधनों से ही भुगतान किया जा रहा है। लंबित वेतन मद में अतिरिक्त राशि की आवश्यकता नहीं पड़ी।

बेहतर वसूली से मजबूत हुई आर्थिक सेहत

नगर पंचायत में कर संग्रहण की दर बेहतर होने से वित्तीय स्थिति सुदृढ़ बनी हुई है। शासन से मिलने वाली सहायता पर 10ल मासिक चुंगी कटौती की शर्त लागू होती है, लेकिन यहां ऐसी सहायता लेने की जरूरत नहीं पड़ी। स्पॉट बिलिंग: पारदर्शिता की नई मिसाल घर-घर कर वसूली अभियान, मोबाइल एप से ऑनलाइन एंट्री, ब्लूटूथ प्रिंटर से तत्काल रसीद, नकद व डिजिटल दोनों भुगतान विकल्प, मैन्युअल त्रुटियों में कमी, सभी कर, राजस्व शुल्क अब ऑनलाइन प्रदर्शित,डिजिटल सिस्टम लागू होने से न केवल राजस्व में वृद्धि की संभावना बढ़ी है, बल्कि लेन-देन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की दिशा में भी इसे महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

राजस्व विभाग में अब स्पॉट बिलिंग शुरू कर दी गई है। सभी का राजस्व शुल्क अब ऑनलाइन दिखाई देगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों सुनिश्चित होंगी।
- विन्रम जेमा, सीएमओ

डोंगरगढ़ प्रवास के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से विष्णु लोधी की सौजन्य भेंट

जनहित के मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह जी के डोंगरगढ़ प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु लोधी ने उनका आत्मीय स्वागत कर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों, किसानों की ज्वलंत समस्याओं, युवाओं के भविष्य, रोजगार के अवसरों तथा सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर एवं सकारात्मक चर्चा हुई। विष्णु लोधी ने क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों एवं आमजन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखते हुए जनहित में ठोस पहल की आवश्यकता पर बल दिया। पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह ने भी जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनभावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, दीर्घ राजनीतिक अनुभव और समाज के प्रति समर्पण उपस्थित जनों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा। विष्णु लोधी ने कहा कि डोंगरगढ़ की पावन धरती पर उनका आगमन क्षेत्रवासियों के लिए मार्गदर्शन और ऊर्जा का क्षण है। जनहित, किसान कल्याण और सामाजिक सौहार्द के लिए सतत संघर्ष ही हमारी प्रतिबद्धता है और यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान पूर्व ऊर्जा मंत्री धनेश पाटीला, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरीश भंडारी, मां बमलेश्वरी ट्रस्ट समिति के उपाध्यक्ष अनिल गट्टानी,थानेश पाटीला, संजीव जी,राम जी तराने, संजीव वशिष्ट, भगवती वर्मा आदि वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

फागुन महोत्सव पर श्याम अखंड ज्योति पाठ गुरप्रीत सिंह एवं श्याम दीवानी रानी कौर द्वारा किया गया

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। श्री श्याम परिवार मित्र मंडल द्वारा आयोजित चार दिवसीय फागुन महोत्सव के चतुर्थ दिवस श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का संगीतमय पाठ कोलकाता के श्याम सेवक गुरप्रीत सिंह एवं श्याम दीवानी रानी कौर के द्वारा किया गया । इस दौरान 108 से अधिक माता - बहनों ने सामूहिक रूप से पाठ किया ।

हिन्दू संस्कृति का प्रमुख त्यौहार होली पर्व धूमधाम से मनाएं, जमकर गीली होली खेलें : अशोक लोहिया

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सनातन संस्कृति के प्रमुख त्यौहार होली पर्व को लेकर श्री सत्यनारायण मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से उत्साहपूर्वक और परंपरागत तरीके से होली मनाने की अपील की है। समिति ने कहा है कि होली रंगों और उमंग का पर्व है, जिसका सीधा संबंध पिचकारी और रंगों की फुहार से है। बिना पानी के होली की कल्पना संभव नहीं है।

पानी बचाने के नाम पर संस्कृति विरोधी संदेशों का बहिष्कार करें

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक लोहिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों से च्सुखी होली खेलेंज्, च्पानी बचाएंज्ज् जैसे संदेश सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित किए जा रहे हैं। बिना सोचे-समझे ऐसे संदेशों को आगे बढ़ाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष के 364 दिन पानी बचाने का संकल्प लेना चाहिए, किंतु एक दिन होली पर पारंपरिक गीली होली खेलकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखना भी आवश्यक है।

गीले रंगों की फुहार ही होली का वास्तविक आनंद

विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि होली का त्यौहार गीले रंगों और उल्लास का पर्व है। कुछ शरारती तत्व त्योहारों की परंपराओं को कमजोर करने के उद्देश्य से भ्रामक संदेश फैलाते हैं। ऐसे संदेशों को तत्काल डिलीट कर देना चाहिए और आगे प्रेषित नहीं करना चाहिए।

समिति ने यह भी कहा कि जो लोग अन्य दिनों या अन्य अवसरों पर जल संरक्षण की बात नहीं करते और केवल होली जैसे हिंदू त्योहारों पर ही पानी बचाने का संदेश देते हैं, उनके संदेशों का बहिष्कार किया जाना चाहिए।

4 मार्च को निकलेगी भगवान श्री राधाकृष्ण की भव्य शोभायात्रा

समिति ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि 4 मार्च को श्री सत्यनारायण मंदिर से निकलने वाली भगवान श्री राधाकृष्ण की भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर होली का वास्तविक आनंद प्राप्त करें। होली प्रेम, सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का पर्व है। सभी श्रद्धालु भाईचारे के साथ उत्सव मनाएं और परंपराओं का सम्मान करें।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com